विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 11-05-2021

वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

तृतीयाः पाठः

सर्वनाम - परिचय

सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा शब्दों के स्थान पर किया जाता है। जैसे - 'राम जाता है। राम मेरा भाई है।' इसके स्थान पर 'राम' जाता है। वह मेरा भाई है। यहाँ 'राम' के स्थान पर 'वह' शब्द का प्रयोग हुआ है। अतः 'वह' शब्द सर्वनाम है। संस्कृत में सर्वनाम शब्दों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है। इन्हें पुरुष भी करते हैं।

	पूरूष	

प्रथम पुरुष या अन्य पूरूष(third person)	मध्यम पूरूष(second person)	उत्तम पूरूष (First person)
जो न वक्ता (बोलने वाले) हों और न श्राता (सुनने वाले)।	श्रोता अर्थात् सुनने वाले।	वक्ता अर्थात् बोलने वाले।

प्रथम पुरुष सर्वनाम शब्द

प्रथम पुरुष में आने वाले सर्वनाम शब्द इस प्रकार हैं -

पुँल्लिंग

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
तत्	सः (वह)	तौ (वे दो)	ते (वे सब)
	तम् (उसको)	तौ (उन दो को)	तान् (उन सब को)
एतत्	एषः (यह)	एतौ (ये दो)	एते (ये सब)
	एतम् (इसको)	एतौ (इन दो को)	एतान् (इस सब को)

इदम्	अयम् (यह)	इमौ (ये दो)	इमे (ये सब)
	इमम् (इसको)	इमौ (इन दो को)	इमाम् (इन सब को)
किम्	कः (कौन)	कौ (कौन दो)	के (कौन सब)
	कम् (किसको)	कौ (किन दो को)	कान् (किन सब को)